दीपाराधना

हे कवि,
तू किस राम-सीता का वाल्मीकि
होकर प्रकट हुआ है ?
किस कृष्ण-युधिष्ठिर-द्रौपदी का व्यासदेव
बन कर रच रहा है ?
तेरी शकुन्तला कौन ? कादम्बरी कहां ?
तूने किन पाप भावनाओं से बचने के लिए
अपनी आँखें फोड़ ली हैं ?
किस रत्नावली को रोती-कलपती छोड़
कलम पकड़ ली है ?
तूने अपना शांतिनिकेतन कहां बसाया है ?

आनन्द शंकर माधवन